



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W2KG217491	ImageGroup:	I2KG220177
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	ཁྲོ་ཕུ་ལོ་ཙ་པ་བྱམས་པ་དཔལ་གྱི་རང་རྣམ། khro phu lo tsA ba byams pa dpal gyi rang nam/
Author:	བྱམས་པ་དཔལ་ byams pa dpal
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Images from the CD bod kyi shing spar lag rtsal gyi byung rim mdor bsdus (A brief introduction to the history of Tibetan printing technology), Paltsek, 2013.. Comments: 11/2020



॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ
ॐ

ॐ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

121

5

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः ॥ ८ ॥

[illegible]

७१। [त्रिंशत्तमोऽध्यायः] अथैवादिभिरुक्तैः सप्तभिः शब्दैः शब्दार्थस्य भेदः कथ्यते ॥ अथैवादिभिरुक्तैः सप्तभिः शब्दैः शब्दार्थस्य भेदः कथ्यते ॥ अथैवादिभिरुक्तैः सप्तभिः शब्दैः शब्दार्थस्य भेदः कथ्यते ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1221

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

155

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

121

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

金

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ २ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्रः धर्मजः ॥ विशुभ्रः पाण्डवस्य द्रुपदपुत्रः ॥ ३ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ किमकुर्वत संजय ॥ ४ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्रः धर्मजः ॥ विशुभ्रः पाण्डवस्य द्रुपदपुत्रः ॥ ५ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ किमकुर्वत संजय ॥ ६ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्रः धर्मजः ॥ विशुभ्रः पाण्डवस्य द्रुपदपुत्रः ॥ ७ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ किमकुर्वत संजय ॥ ८ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदपुत्रः धर्मजः ॥ विशुभ्रः पाण्डवस्य द्रुपदपुत्रः ॥ ९ ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥ समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ किमकुर्वत संजय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1591

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

167

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ अथ मन्त्राणां सूत्राणां च नामानि ॥ १ ॥ अथ मन्त्राणां सूत्राणां च नामानि ॥ १ ॥ अथ मन्त्राणां सूत्राणां च नामानि ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1231

॥ वसुधैव कुटुम्बकम् ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

167

५७। ॥ अथ राजा विजयपालः प्रोक्तं चतुर्विंशति श्लोकानां प्रथमं श्लोकं ॥ अथ राजा विजयपालः प्रोक्तं चतुर्विंशति श्लोकानां प्रथमं श्लोकं ॥ अथ राजा विजयपालः प्रोक्तं चतुर्विंशति श्लोकानां प्रथमं श्लोकं ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

गवसकेव नित्यं ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीनारायण उवाच ॥ सुखं हि ज्ञानं त्वत्त्वज्ञानं च तन्मात्रं त्वत्तत्त्वज्ञानं । इदं च त्वत्त्वज्ञानं त्वत्त्वज्ञानं त्वत्त्वज्ञानं ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1221

[illegible]

[illegible]

151

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme fading or damage.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

॥ इति ॥

[illegible]

